UNIVERSITY NEWS 23 NOVEMBER 2026

HINDUSTAN

एलयू में छात्रवृत्ति आवेदनों के निस्तारण की चुनौती

लखनऊ, प्रमुख संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय में इस वर्ष छात्रवृत्ति के लिए 13,070 विद्यार्थियों ने ऑनलाइन आवेदन किया है। इनमें से 11,165 विद्यार्थियों का बायोमीट्रिक सत्यापन पूरा हो चुका है। विश्वविद्यालय अब तक 7,615 आवेदनों को अंतिम रूप से अग्रसारित कर चुका है, वहीं 3,550 आवेदन अग्रसारण बाकी हैं। वहीं, 350 विद्यार्थी अब तक बायोमीट्रिक सत्यापन कराने नहीं पहुंचे हैं। इसके चलते उनके आवेदनों की प्रक्रिया अटकी हुई है।

अधिष्ठाता छात्र कल्याण परिषद प्रो. अमिता कनौजिया ने बताया कि 350 विद्यार्थियों ने सत्यापन नहीं कराया है।

एलयू सेमेस्टर परीक्षा का कार्यक्रम जारी

एलयू ने विषम सेमेस्टर परीक्षाओं का संशोधित कार्यक्रम जारी कर दिया है। विश्वविद्यालय द्वारा 22 नवंबर को जारी परीक्षा कार्यक्रम के अनुसार विभिन्न पाठ्यक्रमों की परीक्षाएं 27 नवंबर से शुरू होकर 21 दिसंबर 2026 तक आयोजित की जाएंगी। जारी कार्यक्रम में बीएलएड, बीवोक, एमए वेस्टर्न हिस्ट्री, एमए कंपोजिट हिस्ट्री, एमए उर्दू और एमएससी एप्लाइड जियोलॉजी सहित विभिन्न पाठ्यक्रमों के प्रथम, तृतीय, पंचम एवं सप्तम सेमेस्टर की परीक्षाएं हैं।

AMAR UJALA

लविवि की विषम सेमेस्टर की परीक्षाएं 27 नवंबर से

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने सत्र 2026 की विषम सेमेस्टर परीक्षाओं का संशोधित कार्यक्रम जारी कर दिया है। विभिन्न पाठ्यक्रमों की परीक्षाएं 27 नवंबर से शुरू होकर 21 दिसंबर तक चलेंगी। विद्यार्थी संशोधित कार्यक्रम वेबसाइट lkouniv.ac.in पर देख सकते हैं।

- बीएलएड प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाएं 7 से 11 दिसंबर, तृतीय सेमेस्टर की 5 से 10 दिसंबर, पंचम सेमेस्टर की 28 नवंबर से 2 दिसंबर और सप्तम सेमेस्टर की परीक्षा 1 दिसंबर को होगी। बीवोक रिन्यूएबल एनर्जी टेक्नोलॉजी के प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाएं 9 से 21 दिसंबर, तृतीय की 27 नवंबर से 12 दिसंबर, पंचम की 8 से 12 दिसंबर और सप्तम की 11 से 21 दिसंबर तक होंगी।
- एमए वेस्टर्न हिस्ट्री की प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाएं 2 से 15 दिसंबर और तृतीय की 1 से 12 दिसंबर तक निर्धारित हैं। एमए कंपोजिट हिस्ट्री की प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाएं 9 से 17 दिसंबर और तृतीय की 8 से 15 दिसंबर तक होंगी। एमए उर्दू की प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाएं 2 से 15 दिसंबर, तृतीय सेमेस्टर की परीक्षाएं 1 से 12 दिसंबर और बैक पेपर व इम्प्रूवमेंट की परीक्षाएं 1 से 8 दिसंबर तक होंगी।
- एमएससी एप्लाइड जियोलॉजी की प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाएं 2 से 11 दिसंबर और तृतीय की 1 से 10 दिसंबर तक आयोजित की जाएंगी। (माई सिटी रिपोर्टर)

AMAR UJALA

छात्रवृत्ति के 3550 आवेदन अब भी लंबित

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में छात्रवृत्ति आवेदनों की जांच और उन्हें आगे भेजने की प्रक्रिया की समयसीमा रविवार को समाप्त हो गई। विश्वविद्यालय को छात्रवृत्ति पोर्टल पर कुल 13,070 आवेदन मिले थे। इनमें से 11,448 विद्यार्थियों ने हार्ड कॉपी जमा की।

विश्वविद्यालय के आंकड़ों के अनुसार, 11,165 विद्यार्थियों का बायोमीट्रिक सत्यापन पूरा हो चुका है। इनमें से 7,615 आवेदन स्वीकृति के लिए आगे भेजे जा चुके हैं, जबकि 3,550 आवेदन अभी लंबित हैं।

अधिष्ठाता छात्र कल्याण परिषद

283 विद्यार्थियों ने नहीं कराया बायोमीट्रिक सत्यापन

प्रो. अमिता कनौजिया ने बताया कि 283 विद्यार्थियों ने अब तक बायोमीट्रिक सत्यापन नहीं कराया है। इस कारण उनके आवेदन की प्रक्रिया भी रुकी हुई है। इस साल पिछले वर्ष के मुकाबले करीब दो हजार अधिक आवेदन आए हैं।

समाज कल्याण विभाग ने बायोमीट्रिक सत्यापन के लिए तीन दिन का अतिरिक्त समय दिया था, जो रविवार को समाप्त हो गया। अब लंबित आवेदनों का निस्तारण और छूटे विद्यार्थियों का सत्यापन कराना विश्वविद्यालय के लिए चुनौती है।

AMRIT VICHAR

लविवि | वेबसाइट पर अपलोड हुआ विषम सेमेस्टर का विस्तृत शेड्यूल, 21 तक चलेंगे पाठ्यक्रमों के इम्तिहान

27 से बीवोक और एक दिसंबर से एमए व एमएससी की परीक्षाएं

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: लखनऊ विश्वविद्यालय ने सत्र 2026 की विषम सेमेस्टर परीक्षाओं का विस्तृत कार्यक्रम शनिवार को जारी कर दिया है। विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट पर एमए, एमएससी, बीवोक और बीएलएड पाठ्यक्रमों की समय-सारणी अपलोड कर दी गई है। जारी कार्यक्रम के अनुसार, बीवोक (रिन्यूएबल एनर्जी टेक्नोलॉजी) तीसरे सेमेस्टर की परीक्षाएं 27 नवंबर से और बीएलएड पांचवें सेमेस्टर की परीक्षाएं 28 नवंबर से प्रारंभ होंगी।

वहीं, परास्नातक (एमए और एमएससी) पाठ्यक्रमों की परीक्षाएं एक दिसंबर से शुरू होकर दिसंबर के तीसरे सप्ताह तक चलेंगी। एमए उर्दू, वेस्टर्न हिस्ट्री और कंपोजिट हिस्ट्री के प्रथम व तृतीय सेमेस्टर की परीक्षाएं अपराह्न दो बजे से शाम पांच बजे तक संपन्न होंगी।

दूसरी ओर, एमएससी अप्लाइड जियोलॉजी और बीएलएड के प्रथम, तृतीय, पंचम व सप्तम सेमेस्टर की परीक्षाएं सुबह 8:30 बजे से 11:30 बजे की पाली में आयोजित की जाएंगी। बीवोक रिन्यूएबल एनर्जी टेक्नोलॉजी के विभिन्न सेमेस्टर की परीक्षाएं अलग-अलग पालियों में दो घंटे की अवधि के लिए निर्धारित की गई हैं। प्रशासन ने अभ्यर्थियों को सलाह दी है कि वे किसी भी संभावित बदलाव की जानकारी के लिए नियमित रूप से विश्वविद्यालय की वेबसाइट देखते रहें।

प्रमुख पाठ्यक्रमों की परीक्षा तिथियां और समय

- बीवोक (रिन्यूएबल एनर्जी टेक्नोलॉजी) तीसरे सेमेस्टर की परीक्षा 27 नवंबर से 12 दिसंबर (सुबह 11:30 से 1:30 बजे), पांचवें सेमेस्टर की 8 से 12 दिसंबर और सातवें सेमेस्टर की 11 से 21 दिसंबर (सुबह 8:30 से 10:30 बजे) तक होगी। पहले सेमेस्टर की परीक्षाएं 9 से 21 दिसंबर (दोपहर 2:30 से 4:30 बजे) तक चलेंगी।
- बीएलएड (संशोधित कार्यक्रम) : पांचवें सेमेस्टर की परीक्षा 28 नवंबर से 2 दिसंबर, सातवें सेमेस्टर की 1 दिसंबर, तीसरे सेमेस्टर की 5 से 10 दिसंबर और पहले सेमेस्टर की परीक्षा 7 से 11 दिसंबर तक सुबह 8:30 से 11:30 बजे तक होगी।
- एमए (उर्दू व वेस्टर्न हिस्ट्री) : दोनों पाठ्यक्रमों के तीसरे सेमेस्टर की परीक्षाएं 1 दिसंबर से और पहले सेमेस्टर की परीक्षाएं 2 दिसंबर से शुरू होंगी। उर्दू की परीक्षाएं 15 दिसंबर तक और वेस्टर्न हिस्ट्री की 15 दिसंबर (प्रथम सेमेस्टर) व 12 दिसंबर (तृतीय सेमेस्टर) तक दोपहर 2 से शाम 5 बजे तक चलेंगी।
- एमए (कंपोजिट हिस्ट्री) : तीसरे सेमेस्टर की परीक्षा 8 से 15 दिसंबर और पहले सेमेस्टर की परीक्षा 9 से 17 दिसंबर तक दोपहर 2 से शाम 5 बजे तक आयोजित होगी।
- एमएससी (अप्लाइड जियोलॉजी) : तीसरे सेमेस्टर की परीक्षा 1 से 10 दिसंबर और पहले सेमेस्टर की परीक्षा 2 से 11 दिसंबर तक सुबह 8:30 से 11:30 बजे के बीच कराई जाएगी।

लविवि | सत्यापन और बायोमेट्रिक प्रक्रिया के बाद 7,615 फॉर्म विभाग को अग्रसारित

दशमोत्तर छात्रवृत्ति के रिकॉर्ड 13,070 आवेदन

- पिछले वर्ष की तुलना में करीब दो हजार अधिक आए आवेदन, 350 छात्रों ने नहीं कराया बायोमेट्रिक

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: लखनऊ विश्वविद्यालय में दशमोत्तर छात्रवृत्ति के लिए इस वर्ष छात्रों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला है। पिछले सत्र की तुलना में इस बार करीब दो हजार अधिक आवेदन प्राप्त हुए हैं। विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से जारी ताजा आंकड़ों के अनुसार, पोर्टल पर कुल 13,070 छात्रवृत्ति फॉर्म प्राप्त हुए हैं, जिनमें से सत्यापन और बायोमेट्रिक प्रक्रिया पूरी होने के बाद 7,615 फॉर्म अंतिम रूप से समाज कल्याण विभाग को अग्रसारित (फॉरवर्ड) कर दिए गए हैं।



अधिष्ठाता छात्र कल्याण (डीएसडब्ल्यू) प्रो. अमिता कन्नौजिया की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक, ऑनलाइन आवेदन करने वाले 13,070 छात्रों में से 11,448 छात्रों ने ही अपनी हार्ड कॉपी विश्वविद्यालय में जमा की। दस्तावेजों के परीक्षण के बाद 11,415 फॉर्म पोर्टल पर सत्यापित कर प्राप्त किए गए। इनमें से 11,165 छात्रों की बायोमेट्रिक उपस्थिति पूरी हो चुकी है। फिलहाल 3,550 फॉर्म अग्रसारित होने के लिए शेष हैं, जिन पर तेजी से काम चल रहा है। सत्यापित फॉर्मों में से 350 छात्र ऐसे हैं, जो बायोमेट्रिक प्रक्रिया के लिए उपस्थित ही नहीं हुए। इन छात्रों का बायोमेट्रिक लंबित होने के कारण इनके फॉर्म आगे नहीं बढ़ सके हैं।

वेबसाइट बंद होने पर विवि ने मांगा था समय

- उल्लेखनीय है कि पिछले दिनों छात्रवृत्ति पोर्टल की वेबसाइट अचानक बंद होने से छात्र-छात्राओं में काफी आक्रोश फैल गया था और परिसर में हंगामा भी हुआ था। अंतिम तिथि पर लंबी कतारों के बावजूद हजारों छात्र बायोमेट्रिक और आवेदन प्रक्रिया पूरी करने से वंचित रह गए थे। छात्रों की समस्या को देखते हुए विश्वविद्यालय प्रशासन ने समाज कल्याण विभाग को पत्र लिखकर वेबसाइट दोबारा खोलने और अतिरिक्त समय देने की मांग की थी।

AMAR UJALA

शताब्दी के बाद छह वर्षों में और निखरा लविवि

चार नए संकाय व तीन संस्थान खुले, शोध परियोजनाओं में उन्नति के साथ बढ़ी विद्यार्थियों की संख्या

अभिषेक सहज

लखनऊ। छह साल पहले लखनऊ विश्वविद्यालय ने अपनी स्थापना के 100 वर्ष पूरे किए थे। ऐतिहासिक विरासत और गौरवशाली अतीत के साथ नई सदी में प्रवेश करने वाले विश्वविद्यालय ने इसके बाद विकास के कई नए पड़ाव तय किए।

इस अवधि में चार नए संकाय और तीन संस्थान खुले तो शोध परियोजनाओं, विद्यार्थियों की संख्या और डिजिटल सुविधाओं में भी विस्तार हुआ। नैक मूल्यांकन में ए प्लस प्लस ग्रेड हासिल करने के साथ स्मार्ट क्लासरूम, एआई लैब और डिजिटल लाइब्रेरी ने पढ़ाई का स्वरूप बदला है। 25 नवंबर 1920 को स्थापित विश्वविद्यालय इस बार अपना 106वां स्थापना दिवस मना रहा है।

शताब्दी के बाद अगले छह साल विवि के लिए कई मायने में बेहद खास रहे। इस दौरान विश्वविद्यालय ने पारंपरिक विषयों के साथ नए क्षेत्रों में भी कदम बढ़ाए। योग एवं वैकल्पिक चिकित्सा, सौंदर्यशास्त्र एवं शैव दर्शन, प्रबंधन अध्ययन और कृषि के नए संकाय शुरू किए गए। कृषि संकाय में कृषि विज्ञान, बीज विज्ञान, पादप रोग विज्ञान, उद्यान विज्ञान और कृषि अर्थशास्त्र जैसे विषय शामिल हैं। इसके अलावा नवीकरणीय ऊर्जा संस्थान, फार्मास्युटिकल साइंसेज संस्थान और उन्नत आणविक आनुवंशिकी एवं संक्रामक रोग संस्थान की स्थापना हुई। विश्वविद्यालय की वेबसाइट के अनुसार, वर्तमान में 13 संकाय, 51 विभाग और 16 संस्थान एवं केंद्र संचालित हैं। इससे पहले 47 विभागों का उल्लेख था।



एआई और डिजिटल गवर्नेंस का संगम

कुलपति प्रो. जेपी सैनी के नेतृत्व में विगत एक वर्ष विवि के लिए नवसृजन और तकनीकी कायाकल्प का सबसे रहा है। उनकी संकल्पना के अनुरूप पारंपरिक ज्ञान-विज्ञान के साथ एआई और डिजिटल गवर्नेंस का अनूठा संगम कैंपस में आकार ले रहा है। शोध संस्कृति का यह विस्तार और आधारभूत ढांचे का निरंतर उन्नयन विवि के स्वर्णिम भविष्य की स्पष्ट उद्घोषणा है। - प्रो. मुकुल श्रीवास्तव, प्रवक्ता, लविवि

- **शोध परियोजनाओं के लिए 8112 लाख तक पहुंचा अनुदान :** शोध के क्षेत्र में भी विश्वविद्यालय ने प्रगति दर्ज की। शोध परियोजनाओं की संख्या छह वर्षों में 21 से बढ़कर 32 हो गई। इनमें सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की 19 और रिसर्च एंड डेवलपमेंट योजना की 13 परियोजनाएं शामिल हैं। शोध पत्रों की संख्या 677 से बढ़कर 1819 हो गई, जबकि शोध अनुदान 6940 लाख से बढ़कर 8112 लाख रुपये पहुंच गया। वर्ष 2019-20 में प्रकाशित 16 पुस्तकों की संख्या 2025-26 में बढ़कर 103 हो गई।
- **अब ब्लैक बोर्ड के साथ स्मार्ट क्लासरूम भी :** विवि में पढ़ाई के तरीकों में भी बदलाव आया है। ज्यादातर विभागों में स्मार्ट क्लासरूम की सुविधा उपलब्ध है, जहां डिजिटल प्रोजेक्टर, इंटरैक्टिव बोर्ड और ई लर्निंग सामग्री से पढ़ाई होती है। कोरोना काल में विश्वविद्यालय ने ऑनलाइन लर्निंग प्लेटफॉर्म स्लेट विकसित किया। इसके माध्यम से लाइव कक्षाएं, अध्ययन सामग्री मिली। टैगोर पुस्तकालय की डिजिटल सेवाओं के साथ साझा लाइब्रेरी में 538 कंप्यूटर विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध हैं।
- **नैक ए प्लस प्लस ग्रेड से बढ़ा रुतबा :** वर्ष 2022 में विश्वविद्यालय को नैक मूल्यांकन में 3.55 सीजीपीए के साथ ए प्लस प्लस ग्रेड मिला। यह शताब्दी के बाद की बड़ी उपलब्धियों में है। जानकीपुरम स्थित दूसरे परिसर में भी विस्तार हुआ है। यहां विधि और प्रबंधन के साथ इंजीनियरिंग, तकनीकी शिक्षा और आधुनिक प्रयोगशालाओं की सुविधाएं विकसित की गई हैं। विश्वविद्यालय के अनुसार, वर्ष 2019 में विद्यार्थियों की संख्या करीब 15 हजार थी, जो इस वर्ष दोनों परिसरों में मिलाकर 22 हजार से अधिक हो गई है।
- **डिजिटल प्रशासन और नई सुविधाओं का विस्तार :** नवंबर 2020 में परीक्षा संबंधी सेवाओं के लिए ईज पोर्टल शुरू हुआ। प्रवेश और फाइनेंसिंग की प्रक्रिया भी ऑनलाइन की गई। सत्र 2024-25 में समर्थ पोर्टल अपनाया गया और लखनऊ विश्वविद्यालय पंजीकरण संपदा (एलयूआरएन) व्यवस्था लागू हुई, जिससे 2.26 लाख से अधिक विद्यार्थी पंजीकृत हुए। वर्ष 2025 में एप्पल आईमैक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता की प्रयोगशालाएं भी शुरू की गईं।
- **नई शिक्षा नीति ने बदला पाठ्यक्रम का ढांचा :** लखनऊ विश्वविद्यालय देश के शुरुआती विश्वविद्यालयों में रहा, जिसने 2020-21 सत्र से राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू की। इसके तहत चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम, शोध के साथ स्नातक डिग्री, विषय चयन की स्वतंत्रता और एकाधिक प्रवेश-निकास की व्यवस्था शुरू हुई। वर्ष 2023 में ऑस्तादान और दूरस्थ शिक्षा के लिए लखनऊ यूनिवर्सिटी सेंटर फॉर ओपनडान एंड डिस्टेंस एजुकेशन (LU-CODE) की शुरुआत की गई।

VOICE OF LUCKNOW

लविवि की विषम सेमेस्टर परीक्षाओं का कार्यक्रम जारी

लखनऊ। लविवि ने सत्र 2026 की विषम सेमेस्टर परीक्षाओं का संशोधित कार्यक्रम जारी कर दिया है। विश्वविद्यालय द्वारा 22 नवंबर को जारी परीक्षा कार्यक्रम के अनुसार विभिन्न पाठ्यक्रमों की परीक्षाएं 27 नवंबर से शुरू होकर 21 दिसंबर 2026 तक आयोजित की जाएंगी। जारी कार्यक्रम में बीएलएड, बीवोक (रिन्यूएबल एनर्जी टेक्नोलॉजी), एमए वेस्टर्न हिस्ट्री, एमए कंपोजिट हिस्ट्री, एमए उर्दू और एमएससी एप्लाइड जियोलॉजी सहित विभिन्न पाठ्यक्रमों के प्रथम, तृतीय, पंचम एवं सप्तम सेमेस्टर की परीक्षाएं शामिल हैं। बीएलएड प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाएं 7 दिसंबर से 11 दिसंबर तक, तृतीय सेमेस्टर की 5 से 10 दिसंबर तक, पंचम सेमेस्टर की 28 नवंबर से 2 दिसंबर तक तथा सप्तम सेमेस्टर की परीक्षा 1 दिसंबर को आयोजित की जाएगी। वहीं बीवोक रिन्यूएबल एनर्जी टेक्नोलॉजी के प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाएं 9 से 21 दिसंबर तक, तृतीय सेमेस्टर की 27 नवंबर से 12 दिसंबर तक, पंचम सेमेस्टर की 8 से 12 दिसंबर तक और सप्तम सेमेस्टर की 11 से 21 दिसंबर तक आयोजित होंगी। एमए वेस्टर्न हिस्ट्री के प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाएं 2 से 15 दिसंबर तक और तृतीय सेमेस्टर की 1 से 12 दिसंबर तक होंगी। एमए कंपोजिट हिस्ट्री के प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाएं 9 से 17 दिसंबर तक तथा तृतीय सेमेस्टर की 8 से 15 दिसंबर तक निर्धारित की गई हैं। इसी तरह एमए उर्दू के प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाएं 2 से 15 दिसंबर तक आयोजित होंगी, जबकि तृतीय सेमेस्टर नियमित की परीक्षाएं 1 से 10 दिसंबर और बैक पेपर एवं इम्प्रूवमेंट की परीक्षाएं 1 से 8 दिसंबर तक चलेंगी।

DAINIK JAGRAN

बीएलएड प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाएं सात दिसंबर से

लखनऊ : विश्वविद्यालय की ओर से बीएलएड, बी.वाक, एम.एससी और एमए के विभिन्न पाठ्यक्रमों की विषम सेमेस्टर परीक्षाओं का कार्यक्रम जारी किया गया है। बीएलएड प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाएं सात से 11 दिसंबर तक, तृतीय सेमेस्टर की पांच से 10 दिसंबर, पांचवें सेमेस्टर की 28 नवंबर से दो दिसंबर और सातवें सेमेस्टर की परीक्षा एक दिसंबर को होगी। विश्वविद्यालय प्रशासन ने इसका विस्तृत परीक्षा कार्यक्रम जारी किया है।

वहीं, बी.वाक (रिन्यूएबल एनर्जी टेक्नोलाजी) प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाएं नौ से 21 दिसंबर, तृतीय सेमेस्टर की 27 नवंबर से 12 दिसंबर, पांचवें सेमेस्टर की आठ से 12 दिसंबर व सातवें सेमेस्टर की 11 से 21 तक होंगी। एम.एससी एप्लाइड जियोलाजी प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाएं दो से 11 दिसंबर व तृतीय सेमेस्टर की एक से 10 दिसंबर तक होंगी। एमए वेस्टर्न हिस्ट्री प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाएं दो से 15 और तृतीय सेमेस्टर की एक से 12 तक होंगी। एमए कंपोजिट हिस्ट्री प्रथम सेमेस्टर की नौ से 17 दिसंबर और तृतीय सेमेस्टर की आठ से 15 तक होंगी। (वि.)

DAINIK JAGRAN

लवि करेगा ग्रामीण संपत्ति अधिकारों की व्यवस्था का अध्ययन

जागरण ब्यूरो • नई दिल्ली : ग्रामीण आबादी वाले क्षेत्रों में संपत्ति के अधिकृत दस्तावेज देने के लिए पंचायतीराज मंत्रालय ने 2020 में स्वामित्व योजना शुरू की थी। इसके तहत ड्रोन सर्वे, सीमांकन और मानचित्र बनाकर ग्रामीणों को प्रापर्टी कार्ड वितरित करना शुरू किया। मार्च, 2027 में योजना की अवधि भी पूरी हो रही है तो सरकार ने भविष्य के सुधारों के उद्देश्य से ग्रामीण संपत्ति के अधिकारों की प्रशासनिक व्यवस्था के अंतरराज्यीय अध्ययन का जिम्मा लखनऊ विश्वविद्यालय को सौंपा है।

लवि के महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय रोजगार अध्ययन शोध पीठ द्वारा किए जाने वाले इस अध्ययन में उत्तर प्रदेश, बिहार, बंगाल, असम और मिजोरम को शामिल किया गया है। इन राज्यों का चयन वहां प्रचलित भूमि एवं संपत्ति अधिकारों की अलग-अलग प्रशासनिक, कानूनी और सामाजिक व्यवस्थाओं को ध्यान में रखते हुए किया गया है। अध्ययन के अंतर्गत कुल 3,150 ग्रामीण परिवारों का सर्वेक्षण किया जाएगा। इसमें उप्र के 900, बिहार के 720, बंगाल के 560, असम के 560 और मिजोरम के 410 परिवार शामिल होंगे। इसके लिए पांच राज्यों के कुल 17 जिलों का चयन किया गया है।